सूतक पातक में पीढ़ियाँ ऐसे गिने

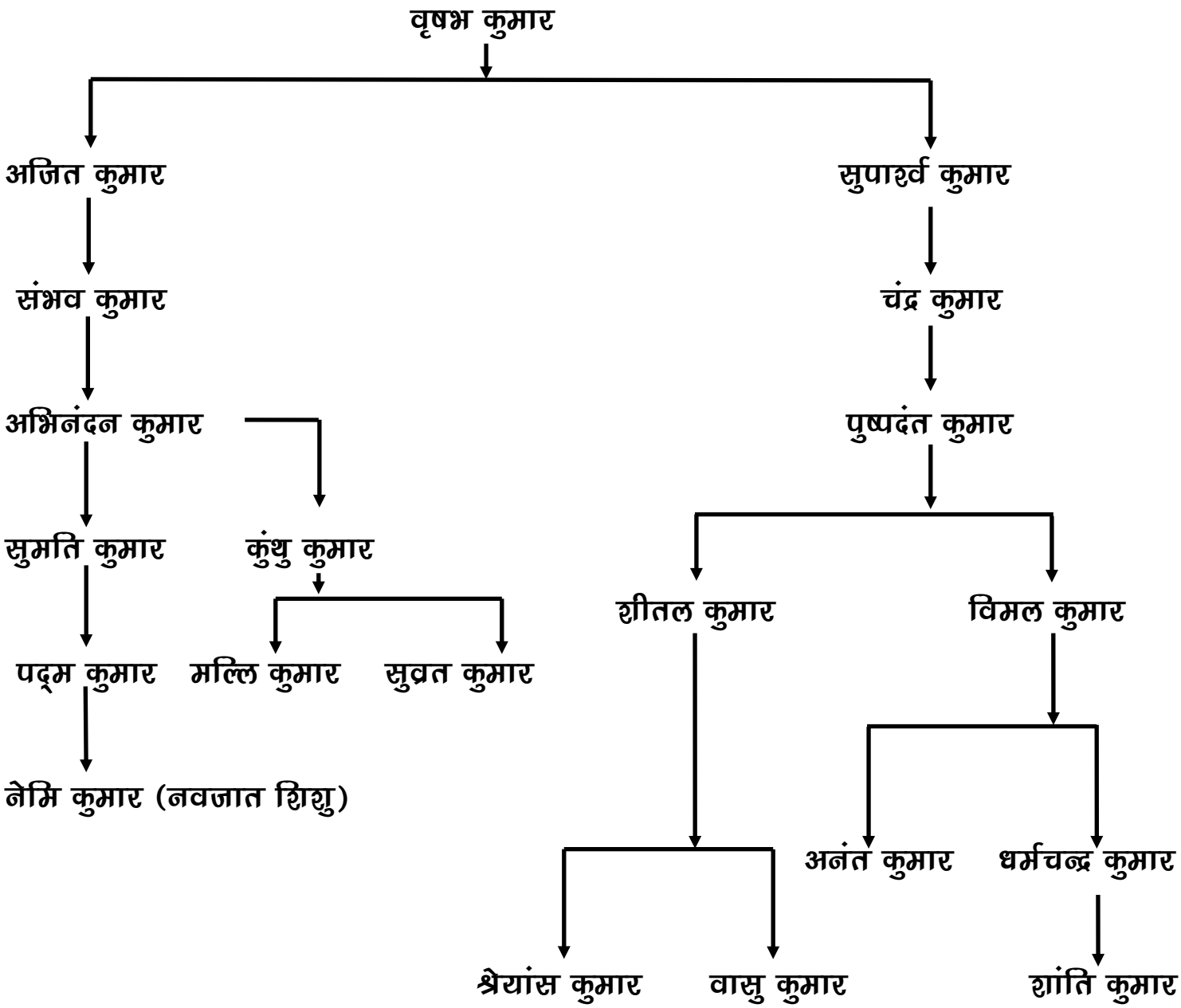

1. पीढ़ियाँ वृषभ कुमार सें गिनना चाहिए पीढ़ियाँ उसी की गिनना चाहिए जिस के घर प्रसूति(जन्म) हुई है। इस तरह वृषभ कुमार से नेमि कुमार (नवजात शिशु) तक सातवीं पीढ़ी होती है। ज्यादा सूतक पातक सातवीं पीढ़ी तक है।
2. जब तक व्यवहार है, विवाह आदि मे जा रहे है दैनिक क्रियाओं में, कुटुम्ब के रूप शामिल हो रहे है तब तक सूतक पातक लगेगा।
3. पीढ़ी में सीढ़ी का उदाहरण है – जैसे जन्म हुआ तो ऊपर चढ़ना है मरण हुआ तो ऊपर से नीचे उतरना है।
4. पीढ़ी पता नही है तो सूतक पातक नही लगेगा। (यदि कोई जानकारी नहीं मिल पा रही है तो)
5 .पीढ़ी समाधान

   परिवार में जो ज्येष्ठ (दादा–दादी,माता–पिता आदि) जीवित हो, उसी पीढ़ी के प्रमाण से समस्त परिवार को सुआ–सूतक पालना होगा। (धर्मोद्योत प्रश्नोत्तर माला)

6. पीढ़ी समाधान संबधी बिंदू

एक ही मटकी का पानी पीने वाली पीढ़ीयाँ भिन्न-भिन्न असमान दिनों तक सूतक पाले, यह बात तब तक नही बन सकती जब तक ये अलग-अलग नही रहने लगें। एक संयुक्त परिवारी पिता, पुत्र को तो समान दिनों का सूतक तर्क बल से मानना न्याय संगत पड़ता है।

यदि संयुक्त रूप से रहते है, परिवार में तो सूतक - पातक एक समान लगेगा। (जिन भाषित पत्रिका अक्टूबर 2008)

7. पीढ़ी समाधान पीढ़ियाँ ऐसे गिनते हैं-

पिता जी हैं, तब वह अपनी पीढ़ी को दादाजी से ही गणना करेगें और जब तुम्हारा नम्बर आयेगा तो तुम भी दादा जी से गणना करोगे। पिताजी के दादा जी से नही, जिसके जो दादा जी कहलायेंगें उनसे ही गणना की जायेगी। (साभार :- दाता स्वीकारो पृष्ठ 112)

8. पीढ़ी समाधान

लडका अलग होने पर सूतक उसके परिवार को उसकी पीढ़ी के अनुसार लगेगा। परिवार के दादाजी जीवित हो या मृत हो गये हो पीढ़ी की गणना कर सकते है। (वर्तमान के प्रतिष्ठाचार्य का मत) जिस पीढ़ी का जो मुखिया होगा उसे जितनी पीढ़ी का सूतक लगेगा उतना ही सभी परिवार जनों को भी लगेगा(अलग गणना नही होगी)

9. पीढ़ी कैसे गिनें-

पहली पीढ़ी दादा जी की दूसरी पीढी पिताजी की तथा तीसरी पीढ़ी स्वयं की कहलाती है। वे जीवित हों या न हों। यदि एक ही दादा जी के पुत्र एवं पौत्र की पीढ़ी में सूतक पातक हो, तो उन्हीं से पीढ़ी ली जावेगी। यदि दादा जी के चचेरे भाइयों की पीढ़ी में सूतक पातक होता है तो दादा जी के पिता जी से पीढ़ी ली जावेगी। यदि परिवार में किसी का जन्म हुआ हो तो पीढ़ी नीचे से गिनी जाती है, और यदि किसी का मरण हुआ है तो , पीढ़ी का गिनना ऊपर से होता हैं। (संदर्भ :- सस्कांर संहिता पृष्ठ 165)

10. सूतक संबंधी विचारणीय बिदूं

पीढ़ी संबंधी चर्चा :- सूतक में जन्म और मरण में पीढ़ी के अनुसार सूतक संबंधी विषय क्रिया कोष। श्री किशन सिंह जी के ग्रंथ में मिला है जो 17वीं शताब्दी का है। इसके पहले किसी ग्रंथ में पीढ़ी का उल्लेख नहीं है। पीढ़ी का उल्लेख "सूतक निर्णय भाष्य" में श्री सोमसेन सूरि ने किया है। पीढ़ी गिनने में कई तरह की मान्यतायें है। इस संबंध में लेख "पीढ़ियाँ कैसे गिनें" जो जैन गजट में 1995 में प्रकाशित हुआ था पठनीय है। पीढ़ी गिनने में घर के मुखिया की जो पीढ़ी होगी वही सूतक परिवार जनों को लगेगा। जैसे शादी या अन्य कार्यक्रम में भी मुखिया का नाम लिखा जाता है। राशन कार्ड एवं वोटर लिस्ट में भी मुखिया का नाम ही लिखा जाता है।

(साभार :- विभिन्न माध्यम से प्राप्त बिन्दु)

MYCHOICE 9425834236